CENTRE FOR DISTANCE AND ONLINE EDUCATION
SRI SRI UNIVERSITY, KATAKA

MASTER OF ARTS (YOGA)

TUTOR MARKED ASSIGNMENT

Course Code: MSY-DSTE-404 **Exam: January 2027**
Course Name: DSTE-II Yoga and Human Consciousness **Session: February 2025**
Semester: Four (4) **Total Marks: 100**

A. Answer any eight questions (essay type). Answer in about 350-500 words each.
अ. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग 350–500 शब्दों में लिखिए। **(10 X 8 = 80)**

Q1. Explain the meaning, definition, nature and scope of human consciousness. Discuss its significance in understanding human existence from the perspective of Yoga and Indic thought.

प्रश्न 1. मानव चेतना के अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र की व्याख्या कीजिए। योग एवं भारतीय चिंतन के दृष्टिकोण से मानव अस्तित्व को समझने में इसके महत्त्व की चर्चा कीजिए।

Q2. Discuss the concept of consciousness as reflected in the Vedas and Upanishads, highlighting the relationship between Atman, Brahman and human experience.

प्रश्न 2. वेदों एवं उपनिषदों में प्रतिपादित चेतना की अवधारणा की चर्चा कीजिए तथा आत्मन्, ब्रह्मन् एवं मानवीय अनुभूति के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट कीजिए।

Q3. Explain the understanding of consciousness in Yoga Darshana, with particular reference to Chitta, its modifications and the distinction between Purusha and Prakriti.

प्रश्न 3. योग दर्शन में चेतना की अवधारणा को चित्त, उसकी वृत्तियों तथा पुरुष और प्रकृति के भेद के विशेष संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

Q4. Examine the concept of consciousness in Sankhya Darshana. Explain the relationship between Purusha, Prakriti, Buddhi, Ahamkara and Manas.

प्रश्न 4. सांख्य दर्शन में चेतना की अवधारणा का विश्लेषण कीजिए। पुरुष, प्रकृति, बुद्धि, अहंकार एवं मनस् के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट कीजिए।

Q5. Discuss the concepts of consciousness and knowledge in Nyaya and Vaisheshika Darshanas. Explain their understanding of the self, mind and cognition.

प्रश्न 5. न्याय एवं वैशेषिक दर्शनों में चेतना और ज्ञान की अवधारणाओं की चर्चा कीजिए। आत्मा, मन तथा संज्ञान के संबंध में उनकी मान्यताओं को स्पष्ट कीजिए।

Q6. Explain the understanding of human consciousness in Mimamsa and Vedanta. Discuss their perspectives on the self, knowledge and liberation.

प्रश्न 6. मीमांसा एवं वेदांत दर्शनों में मानव चेतना की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। आत्मा, ज्ञान एवं मोक्ष के संबंध में उनके दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।

Q7. Compare the concepts of consciousness in Buddhist and Jain philosophies. Highlight their respective understandings of the self, experience and liberation.

प्रश्न 7. बौद्ध एवं जैन दर्शनों में चेतना की अवधारणाओं की तुलना कीजिए। आत्मा, अनुभूति एवं मुक्ति के संबंध में उनके विशिष्ट दृष्टिकोणों को स्पष्ट कीजिए।

Q8. Discuss the importance of studying human consciousness in the contemporary world. Examine the present crisis of human consciousness and suggest possible solutions from the perspective of Yoga and Indic wisdom.

प्रश्न 8. समकालीन विश्व में मानव चेतना के अध्ययन के महत्त्व की चर्चा कीजिए। मानव चेतना के वर्तमान संकट का विश्लेषण करते हुए योग एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के दृष्टिकोण से संभावित समाधान प्रस्तुत कीजिए।

Q9. Explain the relationship between consciousness, mind and human behaviour from the perspective of Indic psychology. Discuss the relevance of Yogic understanding of Manas, Buddhi, Ahamkara and Chitta.

प्रश्न 9. भारतीय मनोविज्ञान के दृष्टिकोण से चेतना, मन एवं मानव व्यवहार के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट कीजिए। मनस्, बुद्धि, अहंकार एवं चित्त की यौगिक अवधारणा की प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।

Q10. Examine the relationship between the Indian philosophical understanding of consciousness and the contemporary scientific study of human consciousness. Discuss their different approaches and areas of inquiry.

प्रश्न 10. चेतना की भारतीय दार्शनिक अवधारणा एवं मानव चेतना के समकालीन वैज्ञानिक अध्ययन के बीच संबंध का विश्लेषण कीजिए। उनके विभिन्न दृष्टिकोणों एवं अध्ययन के क्षेत्रों की चर्चा कीजिए।

B. Write short notes on any four. Answer in about 150–200 words each.

ब. निम्नलिखित में से किन्हीं चार विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। प्रत्येक उत्तर लगभग 150–200 शब्दों में लिखिए। **(5 × 4 = 20)**

Q1. Explain the significance of the study of human consciousness in Yoga.

प्रश्न 1. योग में मानव चेतना के अध्ययन के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

Q2. Write a short note on the relationship between Atman and Brahman in the Upanishads.

प्रश्न 2. उपनिषदों में आत्मन् एवं ब्रह्मन् के पारस्परिक संबंध पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

Q3. Explain Chitta and Chitta-vrittis in the context of Yoga psychology.

प्रश्न 3. योग मनोविज्ञान के संदर्भ में चित्त एवं चित्तवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

Q4. Write a short note on the concept of consciousness in Buddhist philosophy.

प्रश्न 4. बौद्ध दर्शन में चेतना की अवधारणा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

Q5. Explain the role of Purusha and Prakriti in the Sankhya understanding of consciousness.

प्रश्न 5. सांख्य दर्शन में चेतना की अवधारणा के संदर्भ में पुरुष एवं प्रकृति की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

Q6. Briefly discuss the relevance of Indic perspectives on consciousness for contemporary human life.

प्रश्न 6. समकालीन मानव जीवन के लिए चेतना संबंधी भारतीय दृष्टिकोणों की प्रासंगिकता पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।